(ग) यदि हां, तो यह चूल्हा कब तक किसानों को उपलब्ध हो जाएगा ; और

(घ) ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए सरकार के विचाराधीन अन्य योजनाओं की मुख्य बातें क्या हैं ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्दन) : (क) गोबर का प्रयोग, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, घरेलू ईंधन के रूप में किया जाता है । यह एक पुरानी प्रथा है तथा ऊर्जा की किसी प्रकार की कमी का परिणाम नहीं है ।

(ख) और (ग). सरकार की योजना है कि गोबर के उर्वरक मूल्य को सुरक्षित रखना और साथ ही साथ ऊर्जा के साधन के रूप में इसका उपयोग करना; मुख्यत: गोबर गैस प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बना कर ऐसा करने की योजना है । गोबर का गोबर-गैस संयंत्रों में प्रयोग करने से गोबर गैस मिलती है और गारा मिलता है । गोबर गैस का उपयोग ईंधन के रूप में तथा गारे का उपयोग खाद के रूप में किया जा सकता है ।

विभिन्न प्रयोजनों के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किए जाने के बारे में अनुसंधान और विकास कार्यकलाप प्रगति पर है। घरेलू प्रयोग के लिए सौर कुकर का सफलतापूर्वक विकास प्रयोगशालाओं में किया गया है । तथापि, अभी तक सामाजिक तौर पर इन्हें अपनाया नहीं गया है और मुख्यत: सामाजिक आदतों तथा आर्थिक कठिनाइयों के कारण और सौर ऊर्जा से खाना बनाने में जो असुविधा-कमी रहती है उसके कारण अभी तक वाणिज्यिक तौर पर इनका उपयोग नहीं हुआ है । सौर ऊर्जा दिन भर समान रूप से उपलब्ध नहीं होती और सामान्यत: खाना पकाने के आम समय में यह ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती । फोकस किए जाने वाले किस्म के सौर कुकर, जो अधिक ताप दे सकते हैं, के प्रचालन के लिए तेज धूप की आवश्यकता होती है । अत: आकाश में जब बादल होते हैं तब इनका प्रयोग नहीं किया जा सकता । गैर-फोकसिंग किस्म के सौर कुकरों से कम ताप प्राप्त होते हैं । इससे उनकी उपयोगिता सीमित हो जाती है । सौर ऊर्जा को सभी दृष्टियों से खाना पकाने के प्रयोजन के लिए स्वीकार्य बनाने हेतु और अनुसंधान और विकास कार्यकलापों की आवश्यकता है ।

(घ) समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने एक ऊर्जा नीति बनायी है । इस नीति की मुख्य परिकल्पनाएं हैं —(1) जहां तक व्यावहारिक और किफायती हों, कोयला ऊर्जा का प्रधान साधन रहेगा, (2) देशी उत्पादन को अधिकतम करके तथा आयात और उपयोग को कम करके जहां तक संभव हो तेल में आत्म-निर्भरता प्राप्त करना, (3) ऊर्जा और ऊर्जा साधनों की संरक्षा, (4) ग्रामीण क्षेत्रों की ऊर्जा सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अग्रता, तथा (5) ऊर्जा के नए साधनों को विकसित करने के लिए अनुसंधान और विकास कार्यकलाप ।

साथ ही साथ, विद्युत् ऊर्जा की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमता में वृद्धि करने का एक सतत् कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है ।

Inclusion of Nepali Language in Eighth Schedule

2675. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the inclusion of Nepali language in the Eighth Schedule of the Constitution is under the consideration of the Government;

(b) if so, the facts thereof;

(c) the names of the Advisory Committee members of the above language and the criteria of selection; and

(d) qualifications and works in Nepali language of each member?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): (a) At present there is no such proposal under consideration of the Government.

(b) Does not arise.

(c) No such Advisory Committee has been set up by the Central Government.

(d) Does not arise.

Appointment of Gentral Manager, Central Road Research Institute in Maruti Heavy Vehicles

2676. SHRI SATISH AGARWAL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether a certificate was issued to the Maruti Heavy Vehicles (P) Ltd. about the manufacture of road rollers by the General Manager, Central Road Research Institute, Delhi; and

(b) whether the said General Manager has since been appointed as General Manager in the Maruti Heavy Vehicles?

MINISTER OF INDUSTRY (SHRI BRIJLAL VERMA): (a) Yes, Sir.

(b) Ministry of Industry have no information in this regard. It would, however, be observed that issues relating to manufacture and sale of road rollers by Maruti Heavy Vehicles (P) Ltd. are covered in the terms of reference of Commission of Inquiry appointed by Ministry of Home Affairs vide notification dated 30th May, 1977.

शाहजहांपुर जिले में पाकिस्तानी राष्ट्रिकों द्वारा भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन-पत्र

2677. **श्री सुरेन्द्र विक्रम** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहजहांपुर जिले में कितने पाकिस्तानी राष्ट्रिकों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन-पत्र दिये हैं; और

(ख) उनमें से कितने पाकिस्तानी राष्ट्रिकों को कब से दीर्घकालिक वीसा जारी कर दिया गया है और उन्हें भारतीय नागरिकता कब तक प्रदान की जाएगी ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा के पटल पर रख दी जाएगी ।

Seamen's Employment Office at Madras

2678. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to set up a Seamen's Employment Office at Madras Port as in Bombay and Calcutta; and

(b) if so, the facts thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Corruption in the matter of Recruitment in Army

2679. SHRI CHAND RAM: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether large scale corruption is prevalent in the Military in the matter of recruitment; and

(b) if so, whether Government propose to end this corruption?